डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 02

मंदिर में चढ़े फूलों से इत्र बनाएगा अवध विवि, हुआ अनुबंध

अयोध्या। डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं नाका स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर के बीच चढ़े फूलों के लिए तीन साल का एमओयू किया गया। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका के महंत रामदास के बीच अनुबंध हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा, इससे युवाओं में रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जाएगा। विवि के इत्र प्लांट में मंदिर से मिले पुष्प से इत्र व अन्य सुगंधित उत्पाद बनाए जाएंगे। विवि द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है, इसके बाद फूलों को इधर-उधर निस्तारित कर दिया जाता है, इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है, इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जाएगा।

मंदिर में चढ़े फूलों के लिए अनुबंध करतीं कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल। फोटो : एसएनबी

- नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित फूलों से विवि निर्मित करेगा इत्र
- वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण : कुलपति

मंदिर के महंत रामदास ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है, इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो. जसवंत सिंह ने कहा कि तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जाएगा। इस मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित फूलों से विवि बनाएगा इत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति और मंदिर के महंत ने किए हस्ताक्षर

अवध विश्वविद्यालय और हनुमानगढ़ी मंदिर नाका के बीच तीन साल के लिए हुआ एमओयू। -संवाद

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका अयोध्या के बीच बुधवार को तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत रामदास ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

अवध विवि की कुलपति ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मंदिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगंधित उत्पाद बनाए जाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते हैं। इसके बाद फूलों को इधर उधर निस्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ता है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जाएगा।

महंत रामदास ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब के फूल और तुलसी के पत्ते अर्पित किए जाते हैं। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जाएगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो. जसवंत सिंह ने बताया कि वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारोन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

स्नातक व परास्नातक में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर व संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

विवि के प्रवेश समन्वयक प्रो. विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देश पर ये प्रक्रिया शुरू हुई है। इसमें छात्र-छात्राएं स्नातक, परास्नातक, बीवोक, पीजी डिप्लोमा, एलएलबी त्रिवर्षीय व पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का संपूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन कर आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है। संवाद

अमृत विचार

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से अवध विश्वविद्यालय बनायेगा इत्र

कार्यालय संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी नाका अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया है। इस अनुबंध के तहत हनुमानगढ़ी में अर्पित होने वाले फूलों से विश्वविद्यालय ने इत्र बनाए जाने का फैसला किया है।

बुधवार को कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। महंत रामदास ने बताया कि श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि तीन वर्ष के लिए एमओयू किया गया है। मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

अनुबंध के मौके पर नाका हनुमानगढ़ी महंत के साथ कुलपति व शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

विवि में पीजी और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विवि प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मईनिर्धारित की गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो विनोद श्रीवास्तव ने कहा परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन होगें। मीडिया प्रभारी डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

इत्र बनाने के लिए हनुमानगढ़ी से करार

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय और हनुमानगढ़ी मंदिर नाका के बीच तीन वर्ष के लिए एमओयू हुआ है। अब मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग विवि इत्र बनाने के लिए करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

बुधवार को विवि के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति प्रो. गोयल एवं हनुमानगढ़ी के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जाएगा। विवि के इत्र प्लांट में मन्दिर से मिले पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाए जाएंगे। विवि द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जाएगी। कुलपति ने बताया कि अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर-उधर निस्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन फूलों से विवि के प्लांट में इत्र निर्मित किया जाएगा।

अनुबंध पत्र के साथ कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल, हनुमानगढ़ी के महंत रामदास व अन्य।

मंदिर के मंहत ने बताया कि प्रतिदिन बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित की जाती है। जिसे विवि को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रो. जसवंत सिंह ने बताया कि तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया है।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण: कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्र)ालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा।

हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

कुटुंब जागरण

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

कुटुंब जागरण ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वो0क0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवषह्वय, पंचवषह्वय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में

संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी0वो0क0, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवषह्वय, पंचवषह्वय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यथह्न प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 09

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से विश्वविद्यालय निर्मित करेगा इत्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी०वोक०, पी०जी० डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो० विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी०वोक०, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

विवि व हनुमानगढ़ी के बीच हुआ समझौता

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से विवि निर्मित करेगा इत्र

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विवि एवं हनुमानगढ़ी नाका के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल व मं० रामदास के बीच यह अनुबंध हुआ है। विवि मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। मं० रामदास ने बताया कि विवि मंदिर में चढ़ाए गए फूल लेने के लिए समझौता पर हस्ताक्षर किया गया है। बताया कि मंदिर में प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इस अवसर पर पृथ्वी एवं पर्यावरण

विज्ञान संस्थान के प्रो० जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे। **नाका हनुमानगढ़ी के महांत रामदास ने बताया कि मंदिर में हजारों किग्रा फूल प्रतिदिन चढ़ाया जाता है जो बेकार हो जाता है, अब उससे विवि इत्र बनाएंगा यह अच्छी बात है।**

स्वतंत्र चेतना

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

अविवि के पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन शुरू

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वोक0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व

परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी0वोक0, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

शांतिमोर्चा

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 08

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से अवध विश्व विद्यालय निर्मित करेगा इत्र

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 12 अप्रैल। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, सहित अन्य मौजूद रहे।

शांतिमोर्चा

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 08

राम मनोहर अवध विश्व विद्यालय की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या , 12 अप्रैल। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023–24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वोक0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है।

तरूणमित्र

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 03

तरुणमित्र अयोध्या/अम्बेडकरन

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाकाए अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा

वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षणः कुलपति

गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदाए गुलाबए तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

तरुणमित्र

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 06

अवध विश्वविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वोक0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है। विवि प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी0वोक0, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से अवध विवि निर्मित करेगा इत्र

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने

नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास के साथ एमओयू करती कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो० जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है।

मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

अवध कमेंट वीक

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अवध कमेंट वीक

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वोक0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी0वोक0, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

आज

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 10

हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से अवध विवि निर्मित करेगा इत्र

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो० जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

पायनियर

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्याः 07

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाकाए अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाकाए अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा।

हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदाए गुलाबए तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाकाए अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा।

पायनियर

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 07

क्विक न्यूज

अवध विवि की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विवि के कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी.वोक., पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विवि प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मईए 2023 निर्धारित की गई है। विवि प्रवेश समन्वयक प्रो. विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विवि परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी.वोक., डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीयए पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विवि की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

जनमोर्चा

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 02

अयोध्या आसपास

फूलों से इत्र बनाने को अनुबन्ध हुआ

अवध विवि. की कुलपति व नाका हनुमानगढ़ी के महन्त ने तीन साल के लिए किया एमओयू

फैजाबाद (अयोध्या)।

फूलों से इत्र बनाने के लिए नाका हनुमानगढ़ी और डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि. के बीच बुधवार को तीन साल के लिए अनुबन्ध हो गया। यह एमओयू कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल और मंदिर महंत रामदास की ओर से हुआ।

अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में एमओए के बाद कहा गया कि विवि. प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। कुलपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिये गये पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। अवध विव. निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी करेगा।

अनुबंध के दौरान अवध विवि की कुलपति और नाका हनुमानगढ़ी के महंत व अन्य

कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किये जाते हैं। इसके बाद फूलों को इधर-उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ता है। इन्हीं फूलों से प्लांट में इत्र बनाया जायेगा। महंत रामदास ने बताया कि मंदिर में चढ़ाये गये फूलों को प्राप्त करने के लिए एमओयू किया गया है। बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किये जाते हैं। इन्हीं फूलों को विश्वविद्यालय को दिया जायेगा। प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित होंगे।

पृथ्वी व पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो.जसवंत सिंह ने कहा, विश्वविद्यालय और मंदिर के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। बने इत्र को मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। इस मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्र, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

नेशनल प्रेस टाइम्स

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में कुलपति ने शैक्षणिक सत्र नियमन को लेकर की बैठक

एनपीटी ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों के शैक्षणिक सत्र के नियमन को लेकर कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल की अध्यक्षता एक बैठक आहूत की गई। मंगलवार को अपराह्न विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में कुलपति ने समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक व समन्वयकों के साथ शैक्षणिक सत्र नियमन को लेकर वृहद चर्चा की। बैठक में कुलपति ने परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र को नियमित करने के लिए सभी को प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि सभी विभाग शिक्षकों से समन्वय स्थापित करते हुए शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पाठ्यक्रमों को हर-हाल में 30 जून तक समाप्त करें। जिससे विषम सेमेस्टर की परीक्षा 08 जुलाई से कराई जा सके। बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि परिसर के पाठ्यक्रमों की परीक्षा शैक्षणिक कैलेण्डर की तिथि में ही कराई जाये। इसके लिए समस्त विभागों व परीक्षा विभाग के कर्मियों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समय से परीक्षा सम्पन्न कराई जाये।

बैठक में परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 जसवंत सिंह, प्रो0 अनुपम श्रीवास्तव, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला, प्रो0 अनूप कुमार, प्रो0 रमापति मिश्र, सहायक कुलसचिव मो0 सहील, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 डीएन वर्मा, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 सिधु सिंह, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 दिनेश कुमार सिंह, डॉ0 दिनेश राव सहित अन्य उपस्थित रहे।

नेशनल प्रेस टाइम्स

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 03

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा।

हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

बस्ती की पुकार

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 **पृष्ठ संख्या: 04**

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से विश्वविद्यालय निर्मित करेगा इत्र

वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को मिलेगा प्रशिक्षण: कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

बस्ती की पुकार संवाददाता

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल

पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा।

हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

नगरीय निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी सुभासपा

लखनऊ (संवाददाता)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को कहा कि

बस्ती की पुकार

दिनांकः 13 अप्रैल, 2023 **पृष्ठ संख्याः 04**

अवध विश्वविद्यालय की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

बस्ती की पुकार संवाददाता

अयोध्या। डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023–24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी०वोक०, पी०जी० डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से आनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो० विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी०वोक०, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

बस्ती की पुकार संवाददाता

बस्ती। नाबालिक लड़की के साथ छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त को थाना पुरानी बस्ती पुलिस ने किया गिरफ्तार, आपको बताते चले थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती योगेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुरानी बस्ती पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0–82/2023 धारा 323,354,506 भादवि तथा 7/8 पॉक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त विष्णु पुत्र शिव बरन निवासी हरैया जब्ती थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती को दिनांक 12.04.2023 को रेलवे स्टेशन पूर्वी क्रॉसिंग से समय करीब 11.50 बजे गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर मा0 न्यायालय भेजा गया, अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती योगेश कुमार सिंह जनपद बस्ती, उ0नि0 श्री सुदीप कुमार यादव थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती, हे0का0 रामस्वरूप चौहान, हे0का0 राम सुरेश गौतम थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती, का0 अमरनाथ भारद्वाज थाना पुरानी बस्ती जनपद बस्ती रहें शामिल,

जन एक्सप्रेस

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा।

विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया कि अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर-उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगता है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। महंत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते हैं। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र की मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारोन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

जन एक्सप्रेस

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 09

अवध विश्वविद्यालय की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

जन एक्सप्रेस । अयोध्या

डॉ० राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी०वोक०, पी०जी० डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से आनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो० विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी०वोक०, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ० विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

पावन भारत टाइम्स

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 **पृष्ठ संख्या: 04**

नाका हनुमानगढ़ी में अर्पित किए गए फूलों से अवध विवि निर्मित करेगा इत्र

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

पावन भारत टाइम्स

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा।

इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है।

नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास के साथ एमओयू करती कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा।

पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनमानगढी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया।

मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजद रहे।

पावन भारत टाइम्स

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि की स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

पावन भारत टाइम्स

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय प्रशासन ने सत्र 2023-24 के लिए परिसर एवं संघटक महाविद्यालयों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० प्रतिभा गोयल के निर्देश पर स्नातक, परास्नातक, बी0वोक0, पी0जी0 डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, एमएड, बीपीएड सहित अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 09 अप्रैल से ऑनलाइन आवेदन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2023 निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय प्रवेश समन्वयक प्रो0 विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ चार संघटक महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। स्नातक व परास्नातक, बी0वोक0, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट के साथ परिसर एवं महाविद्यालयों में संचालित पाठ्यक्रमों एमएड, बीपीएड, एलएलबी त्रिवर्षीय, पंचवर्षीय, बीफार्मा, डीफार्मा के साथ अन्य रोजगार परक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि परिसर के संचालित पाठ्यक्रमों का सम्पूर्ण विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट आरएमएलएयू इंट्रेंस डॉट इन पर अपलोड कर दिया गया है। अभ्यर्थी प्रवेश सूचना पट पर जाकर विषय का चयन करते हुए आवेदन शुल्क जमा कर पंजीकरण कर सकते है।

भोलेनाथ टाइम्स

दिनांक: 13 अप्रैल, 2023 पृष्ठ संख्या: 02

अवध विश्वविद्यालय का नाका हनुमानगढ़ी के मध्य हुआ अनुबंध

अयोध्या(बीएनटी संवाददाता)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एवं हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन साल के लिए एमओयू किया गया। विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में बुधवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के मंहत रामदास के बीच अनुबंध किया गया।विश्वविद्यालय प्रशासन मंदिर से निकलने वाले फूलों का प्रयोग इत्र बनाने में करेगा। इससे युवाओं में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। मौके पर अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत वोकेशनल पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए इत्र बनाने की विधि से प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में मन्दिर द्वारा दिए गए पुष्प से इत्र व अन्य सुगन्धित उत्पाद बनाये जायेंगे।विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित उत्पाद की आपूर्ति भी की जायेगी। कुलपति ने बताया अयोध्या के मंदिरों में प्रतिदिन भक्तों एवं श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में पुष्प अर्पित किए जाते है। इसके बाद फूलों को इधर उधर निष्तारित कर दिया जाता है। इससे गंदगी एवं प्रदूषण बढ़ने लगती है। इन्हीं फूलों से विश्वविद्यालय के प्लांट में इत्र निर्मित किया जायेगा। हनुमानगढ़ी नाका के महंत रामदास ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मंदिर में चढ़ाए गए फूल प्राप्त करने के लिए नाका हनुमानगढ़ी से एमओयू किया गया है। मंहत ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं द्वारा बड़ी मात्रा में गेंदा, गुलाब, तुलसी अर्पित किए जाते है। इन्हीं निस्तारित फूलों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध कराया जायेगा। विश्वविद्यालय के इत्र प्लांट में इत्र एवं अन्य सुगन्धित उत्पाद निर्मित करेगा। पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संस्थान के प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि हनुमानगढ़ी मंदिर नाका, अयोध्या के बीच तीन वर्ष के लिए पुनः एमओयू किया गया। मंदिरों से निकलने वाले इत्र मंदिरों में आपूर्ति किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इसमें वोकेशनल के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कराने के साथ रोजगारन्मुखी बनाना है। मौके पर मंदिर न्यासी संतोष मिश्रा, वेद प्रकाश, शिव भोला, श्रवण तिवारी, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।